राष्ट्रीय
सहारा

कानपुर • शुक्रवार • 4 नवम्बर • 2022

केसानों को डी कंपोजर के साथ दिये गये प्रमाणपत्र

फसल अवशेष प्रबंधन प्रशिक्षण कार्यक्रम के समापन पर किसानों को डी कंपोजर व प्रमाण पत्र देते आयोजक।

ुर (एसएनबी)। ए कृषि एवं प्रौद्योगिकी विवि त्रावधान में आयोजित पांच य फसल अवशेष प्रवंधन ग कार्यक्रम के समापन पर : को डीकंपोजर के साथ भागी किसानों को प्रमाणपत्र ा किये गये।

त्रेवि के अधीन संचालित नगर कृषि विज्ञान केन्द्र के ाण में आयोजित कार्यक्रम में ों को फसल अवशेष पराली आदि न व इसको जलाने से होने वाले नों को लेकर प्रशिक्षित किया गया। इस र पर किसानों ने पराली न जलाने व को भी न जलाने देने की शपथ भी ली। ग कार्यक्रम के तहत केन्द्र के वरिष्ठ ाक डॉ.राम प्रकाश, संयोजक ील खान, उद्यान वैज्ञानिक डॉ.अरुण सिंह, डॉ.मिथिलेश, डॉ.शशिकांत, ोद प्रकाश व डॉ.अजय कुमार सिंह ने ों को सामान्य खेतीबारी की जानकारी देने के साथ ही पराली से वर्मी कंपोस्ट व नाडेप कंपोस्ट वनाने की विधि को विस्तार से वताया गया। किसानों को पराली का उपयोग सब्जी फसलों व प्राकृतिक खेती में करने व पराली के भूसे द्वारा मशरूम की खेती करने के लिए भी प्रोत्साहित किया गया। डॉ.सुभाष चन्द्रा की अध्यक्षता में आयोजित समापन कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिला पंचायत सदस्य रामजी अग्निहोत्री व विशिष्ट अतिथि डॉ.एसएल वर्मा रहे। शुभम यादव व गौरव शुक्ला ने प्रशिक्षण कार्यक्रम में सक्रिय योगदान किया।

rashtriyaswaroop1@gmai.com

कानपुर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित वर्ष : 14 अंक : 123 कानपुर, शुक्रवार 04 नवम्बर 2022 नगर संस्करण पृष्ठ 12 मूल्य : 2.00 रुपए

राष्ट्रीय स्वरूप

aswaroop.in

पंजाब किंग्स के सहायक कोच बने हैडिन 10

पांच दिवसीय प्रशिक्षण समापन पर डी कंपोजर एवं प्रमाण पत्र किए गए वितरित

कानपुर । सीएसए के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नगर में पांच दिवसीय फसल अवशेष प्रबंधन परियोजना के अंतर्गत पांच दिवसीय कृषक प्रशिक्षण का समापन किया गया। यह प्रशिक्षण 30 अक्टूबर को प्रारंभ किया गया था। इस प्रशिक्षण में विकासखंड मैथा के विभिन्न गांवों के कुल 25 प्रशिक्षणार्थियों ने प्रतिभाग किया।इस प्रशिक्षण में किसानों को फसल की पराली ना जलाने वह जलाने से क्या हानियां होती हैं उसके बारे में प्रशिक्षण दिया गया।प्रशिक्षण में हमारे कृषि विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ रामप्रकाश ने किसानों को समय से गेहूं बुवाई करने तथा खरपतवार प्रबंधन के बारे में विस्तार से जानकारी दिया तथा इस कार्यक्रम के आयोजक डॉक्टर खलील खान ने किसानों को सुपर सीडर तथा मल्चर का उपयोग को बताया। डॉ अरुण कुमार सिंह उद्यान वैज्ञानिक ने किसानों को पराली का उपयोग सब्जी की फसल व प्राकृतिक खेती में कैसे करें इसके बारे में जानकारी दी। तथा डॉ मिथिलेश ने किसानों को पराली के भूसे द्वारा मशरूम की खेती को बढ़ावा देने के लिए किसानों को जागरूक किया तथा हमारे केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ अजय कुमार सिंह ने किसानों को पराली से वर्मी कंपोस्ट वह नाडेप कंपोस्ट बनाने की विधि को विस्तार से बताया व अंत में मुख्य अतिथि जिला पंचायत सदस्य रामजी अग्निहोत्री एवं कार्यक्रम के अध्यक्ष डॉ सुभाष चंद्रा तथा विशिष्ट अतिथि डॉक्टर एसएल वर्मा ने किसानों को प्रमाण पत्र एवं डी कंपोजर वितरण किए। इस अवसर पर किसानों ने शपथ भी ली की पराली ना जलाएंगे ना दूसरों को जलाने देंगे। बल्कि मिट्टी में मिला कर मिट्टी की उर्वरा शक्ति बढ़ाएंगे। इस अवसर पर डॉ शशि कांत ने भी किसानों को जानकारी दी। वैज्ञानिक डॉ विनोद प्रकाश ने भी जानकारी दी इस अवसर पर शुभम यादव एवं गौरव शुक्ला का कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न कराने में विशेष योगदान रहा।

देश-विदेश | लखनऊ और देहरादून से प्रकाशित राष्ट्रीय हिंदी दैनिक | उत्तर प्रदेश

इमरान खान के लॉन्ग मार्च में फायरिंग... 12

स्कूल-कॉलेज बंक कर होटल में मौज मस्ती... 10

जन एक्सप्रेस

@janexpressnews janexpresslive janexpresslive www.janexpresslive.com/epaper

लखनऊ
वर्ष: 14 | अंक: 24
मूल्य: ₹3.00/-
पेज : 12
शुक्रवार | 04 नवम्बर, 2022

किसानों को पराली जलाने के नुकसान बताए

जन एक्सप्रेस, कानपुर नगर। सीएसए के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नगर में चल रहे पांच दिवसीय फसल अवशेष प्रबंधन परियोजना के अंतर्गत कृषक प्रशिक्षण का समापन गुरुवार को हुआ। इस प्रशिक्षण में विकासखंड मैथा के विभिन्न गांवों के कुल 25 प्रशिक्षणार्थियों ने प्रतिभाग किया। जिसमे किसानों को फसल की पराली जलाने से होने वाली हानियो के बारे में बताया गया। वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ.रामप्रकाश ने किसानों को समय से गेहूं बुवाई करने तथा खरपतवार प्रबंधन के बारे में जानकारी दी। डॉ.खलील खान ने किसानों को सुपर सीडर तथा मल्चर का उपयोग करने के बारे में बताया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि जिला पंचायत सदस्य रामजी अग्निहोत्री, डॉ. सुभाष चंद्रा और विशिष्ट अतिथि डॉ.एस.एल. वर्मा ने किसानों को प्रमाण पत्र एवं डी कंपोजर वितरण किए।

उत्तराखंड/उत्तर प्रदेश का प्रथम द्विभाषीय (हिन्दी-अंग्रेजी) सांध्य दैनिक समाचार पत्र

जनमत टुडे

वर्ष:13 | अंक:257 | देहरादून, गुरुवार, 03 नवंबर, 2022 | पृष्ठ:08

आपका बता द कि सुअरा आर गन्दगा सकता ह। मथाना न बच्चा का बताया कि नित्य बनान क लिए आग भा समाज म स मौजूद रह।

पांच दिवसीय फसल अवशेष प्रबंधन के प्रशिक्षण का हुआ समापन

अनित मिश्रा (जनमत टुडे)

कानपुर: चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नगर में आज पांच दिवसीय फसल अवशेष प्रबंधन परियोजना के अंतर्गत पांच दिवसीय कृषक प्रशिक्षण का समापन कियानी गया। यह प्रशिक्षण दिनांक 30 अक्टूबर 2022 को प्रारंभ किया गया था।

इस प्रशिक्षण में विकासखंड मैथा के विभिन्न गांवों के कुल 25 प्रशिक्षणार्थियों ने प्रतिभाग किया इस प्रशिक्षण में किसानों को फसल की पराली ना जलाने वह जलाने से क्या हानियां होती हैं उसके बारे में प्रशिक्षण दिया गया।प्रशिक्षण में हमारे कृषि विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ रामप्रकाश ने किसानों को समय से गेहूं बुवाई करने तथा खरपतवार प्रबंधन के बारे में विस्तार से जानकारी दिया तथा इस कार्यक्रम के आयोजक डॉक्टर खलील खान ने किसानों को सुपर सीडर तथा मल्चर का उपयोग को बताया। डॉ अरुण कुमार सिंह उद्यान वैज्ञानिक ने किसानों को पराली का उपयोग सब्जी की फसल व प्राकृतिक खेती में कैसे करें इसके बारे में जानकारी दी। तथा डॉ मिथिलेश ने किसानों को पराली के भूसे द्वारा मशरूम की खेती को बढ़ावा देने के लिए किसानों को जागरूक किया तथा हमारे केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ अजय कुमार सिंह ने किसानों को पराली से वर्मी कंपोस्ट वह नाडेप कंपोस्ट बनाने की विधि को विस्तार से बताया व अंत में मुख्य अतिथि जिला पंचायत सदस्य रामजी अग्निहोत्री एवं कार्यक्रम के अध्यक्ष डॉ सुभाष चंद्रा तथा विशिष्ट अतिथि डॉक्टर एसएल वर्मा ने किसानों को प्रमाण पत्र एवं डी कंपोजर वितरण किए। इस अवसर पर किसानों ने शपथ भी ली की पराली ना जलाएंगे ना दूसरों को जलाने देंगे। बल्कि मिट्टी में मिला कर मिट्टी की उर्वरा शक्ति बढ़ाएंगे। इस अवसर पर डॉ शशि कांत ने भी किसानों को जानकारी दी। वैज्ञानिक डॉ विनोद प्रकाश ने भी जानकारी दी इस अवसर पर शुभम यादव एवं गौरव शुक्ला का कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न कराने में विशेष योगदान रहा।

WORLD खबर EXPRESS

WORLD खबर एक्सप्रेस

गुरुवार 03 नवंबर 2022 | अंक - 290

www.worldkhabarexpress.media
www.worldkhabarexpress.com

www.twitter.com/worldkhabarexpress www.facebook.com/worldkhabarexpress www.youtube.com/worldkhabarexpress MID DAY

पांच दिवसीय फसल अवशेष प्रबंधन के प्रशिक्षण का हुआ समापन

डी कंपोजर एवं प्रमाण पत्र किए गए वितरित

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नगर में आज पांच दिवसीय फसल अवशेष प्रबंधन परियोजना के अंतर्गत पांच दिवसीय कृषक प्रशिक्षण का समापन किया गया। यह प्रशिक्षण दिनांक 30 अक्टूबर 2022 को प्रारंभ किया गया था। इस प्रशिक्षण में विकासखंड मैथा के विभिन्न गांवों के कुल 25 प्रशिक्षणार्थियों ने प्रतिभाग किया। इस प्रशिक्षण में किसानों को फसल की पराली ना जलाने वह जलाने से क्या हानियां होती हैं उसके बारे में प्रशिक्षण दिया गया प्रशिक्षण में हमारे कृषि विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ रामप्रकाश ने किसानों को समय से गेहूं बुवाई करने तथा खरपतवार प्रबंधन के बारे में विस्तार से जानकारी दिया तथा इस कार्यक्रम के आयोजक डॉक्टर खलील खान ने किसानों को सुपर सीडर तथा मल्चर का उपयोग को बताया। डॉ अरुण कुमार सिंह उद्यान वैज्ञानिक ने किसानों को पराली का उपयोग सब्जी की फसल व प्राकृतिक खेती में कैसे करें इसके बारे में जानकारी दी। तथा डॉ मिथिलेश ने किसानों को पराली के भूसे द्वारा मशरूम की खेती को बढ़ावा देने के लिए किसानों को जागरूक किया तथा हमारे केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ अजय कुमार सिंह ने किसानों को पराली से वर्मी कंपोस्ट वा नाडेप कंपोस्ट बनाने की विधि को विस्तार से बताया व अंत में मुख्य अतिथि जिला पंचायत सदस्य रामजी अग्निहोत्री एवं कार्यक्रम के अध्यक्ष डॉ सुभाष चंद्र तथा विशिष्ट अतिथि डॉक्टर एसएल वर्मा ने किसानों को प्रमाण पत्र एवं डी कंपोजर वितरण किए। इस अवसर पर किसानों ने शपथ भी ली की पराली ना जलाएंगे ना दूसरों को जलाने देंगे। बल्कि मिट्टी में मिला कर मिट्टी की उर्वरा शक्ति बढ़ाएंगे। इस अवसर पर डॉ शशि कांत ने भी किसानों को जानकारी दी। वैज्ञानिक डॉ निमिष प्रकाश ने भी जानकारी दी इस अवसर पर शुभम यादव एवं गौरव शुक्ला का कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न कराने में विशेष योगदान रहा।

अमर उजाला कानपुर 04/11/2022

न्यूज डायरी

पराली जलाने से मिट्टी को पहुंचता नुकसान

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कृषि विज्ञान केंद्र दलीपनगर में गुरुवार को पांच दिवसीय किसान प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन हुआ। उद्यान वैज्ञानिक डॉ. अरुण कुमार सिंह ने विकासखंड मैथा से आए किसानों को बताया कि खेत में पराली जलाने से मिट्टी के पोषकतत्व कम हो जाते हैं, मिट्टी खराब हो जाती है। इसके साथ ही वायु प्रदूषण भी बढ़ता है। डॉ. खलील खान ने किसानों को सुपर सीडर व मल्चर के उपयोग के बारे में बताया। जिला पंचायत सदस्य रामजी अग्निहोत्री व डॉ. सुभाष चंद्रा ने किसानों को प्रमाणपत्र के साथ डी-कंपोजर बांटे। (ब्यूरो)